आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 10.09.2025 समय : 1905

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने सी.पी. राधाकृष्णन को भारत का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी।
- भारत ने अंतरिक्ष में खोज के क्षेत्र में नौ बड़े विश्व रिकॉर्ड कायम किये है और आगामी वर्षों में आठ से दस और कीर्तिमान बनाने की ओर अग्रसर है।
- शिक्षा निदेशालय ने मायाबंदर स्थित ज़ोनल लाइब्रेरी को "जिला पुस्तकालय" का दर्जा प्रदान किया।
- तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर और पूर्व राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियन जी. आकाश तेरह व चौदह सितम्बर को अण्डमान–निकोबार दौरे पर रहेंगे।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने श्री सी. पी. राधाकृष्णन को भारत का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि राधाकृष्णन का सार्वजनिक जीवन का समृद्ध अनुभव देश की प्रगति में सहायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें गरीब और वंचित वर्गों की सेवा में समर्पित नेता बताया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि उनकी जमीनी यात्रा और संसदीय अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। पूर्व में महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव में चार सौ बावन मत प्राप्त कर सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बी. सुधर्शन रेड्डी को पराजित किया, जिन्हें तीन सौ मत मिले। सी.पी. राधाकृष्णन सत्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे।

<><><><><><><>

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन–इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि भारत ने अंतरिक्ष में खोज के क्षेत्र में नौ बड़े विश्व रिकॉर्ड कायम किये हैं और आगामी वर्षों में आठ से दस और कीर्तिमान बनाने की ओर अग्रसर है। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में श्री नारायणन ने चंद्रयान मिशन से लेकर मंगल ऑर्बिटर मिशन और क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी सहित भारत की विभिन्न उपलब्धियों पर बात की। उन्होंने कहा कि दो हजार चौदाह में मंगल आर्बिटर मिशन से भारत पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया। दो हजार सत्रह में पीएसएलवी–सी 37 ने एक साथ एक सौ चार उपग्रहों को प्रक्षेपित करके

इतिहास रच दिया। श्री नारायणन ने कहा कि दो हजार उन्नीस में चन्द्रयान–2 ने चांद के इर्द–गिर्द विश्व का सर्वश्रेष्ठ आर्बिटर कैमरा स्थापित किया, जबकि दो हजार तेईस में चंद्रयान–3 के माध्यम से भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बन गया। केवल अटठाईस महीनों में क्रायोजेनिक चरण के साथ एलवीएम–3 की सबसे तीव्र गति से पहली उड़ान इसमें शामिल है। श्री नारायणन ने कहा कि प्रक्षेपण पर खर्च को घटाने के लिए इसरो का सस्ती लागत वाला दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब तक चार हजार से अधिक रॉकेट और एक सौ तैंतीस उपग्रहों का प्रक्षेपण कर चुका है जो राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और अंतरिक्ष संबंधी उद्यमिता में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने यह भी कहा कि दो हजार चालीस तक चांद पर मानव को भेजना भारत का लक्ष्य है।

<><><><><><><>

इस स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली तक जी.एस.टी सुधारों की अगली पीढ़ी की घोषणा की। उनका यह सपना तब साकार हुआ जब तीन सितंबर को जी.एस.टी परिषद ने दरों को युक्तिसंगत बनाने, कई क्षेत्रों में कर दरों को कम करने और नागरिकों के जीवन को आसान बनाने को मंजूरी दी। आज, हम देखते हैं कि ये सुधार शिक्षा क्षेत्र में कैसे मददगार साबित होंगे। सरकार ने स्टेशनरी वस्तुओं पर जी.एस.टी दरों में छूट देकर शिक्षा क्षेत्र को बड़ी राहत दी है। नए सुधारों के तहत, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, अभ्यास पुस्तिकाएँ, ग्राफ बुक, मानचित्र और चार्ट जैसी स्टेशनरी वस्तुओं को पहले के बारह प्रतिशत जी.एस.टी से छूट दी गई है, जबकि रबड़ पर जी.एस.टी पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशालय ने मायाबंदर स्थित ज़ोनल लाइब्रेरी को "जिला पुस्तकालय" का दर्जा प्रदान किया है। इस निर्णय से उत्तरी एवं मध्य अंडमान जिले में अध्ययन, पठन–पाठन और शोध की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। जिला पुस्तकालय बनने के बाद यहाँ पुस्तकों व संदर्भ सामग्री का व्यापक संग्रह, आधुनिक सुविधाएँ, योग्य कर्मचारियों की नियुक्ति तथा विभिन्न साहित्यिक व जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

<><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर द्वीप समूह के बेरोजगार युवाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। अपने पत्र में, उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में, रेल मंत्रालय ने विभिन्न

श्रेणियों के पदों के लिए चयन अभियान और परीक्षाएँ आयोजित की गई थीं, जिससे बड़ी संख्या में द्वीपवासियों को रेलवे में रोज़गार प्राप्त करने में मदद मिली। लेकिन पिछले कई वर्षों से, स्थानीय स्तर पर ऐसी कोई भर्ती प्रक्रिया आयोजित न होने के कारण द्वीप समूह के युवा रोज़गार के अवसरों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि द्वीप समूह में परीक्षा केंद्र न होने के कारण उम्मीदवारों को परीक्षा देने के लिए मुख्य भूमि की यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें भारी खर्च उठाना पड़ता है। सांसद बिष्णु पर रे ने रेल मंत्री से अनुरोध किया है कि द्वीप समूह में विभिन्न श्रेणियों के पदों के लिए रेलवे भर्ती अभियान चलाएँ तथा परीक्षा केन्द्र भी स्थापित करें जिससे उम्मीदवारों को मुख्य भूमि न जाना पड़े और ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवार परीक्षा में भाग ले सके।

<><><><><><><>

जहाजरानी सेवा निदेशालय द्वारा मरीन डॉकयार्ड, में भूस्खलन परिदृश्य पर आधारित मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत विभागों में मासिक मॉक ड्रिल करवाई जाती है, ताकि आपदा से निपटने की तैयारियों को और मज़बूत किया जा सके। इस अभ्यास का संचालन नोडल ऑफिसर डिज़ास्टर मैनेजमेंट, DSS की देखरेख में किया गया। इसमें डॉकयार्ड कैंटीन, मोल्डिंग शॉप, ब्लैक स्मिथ शॉप तथा मरीन डिस्पेंसरी के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। ड्रिल के दौरान कुल इक्यावन कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया तथा एक घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार दिया गया। निदेशालय ने कहा कि ऐसे अभ्यासों का उद्देश्य आपदाओं एवं आपात स्थितियों से निपटने की क्षमता को विकसित करना तथा सुरक्षा के प्रति लोगो में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

<><><><><><><>

तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर और पूर्व राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियन जी. आकाश तेरह व चौदह सितम्बर को अण्डमान–निकोबार दौरे पर रहेंगे। तेरह सितम्बर को वे डेयरी फार्म स्थित ए.एन.सी.ए शतरंज केंद्र, श्री विजयपुरम में साइमल्टेनियस प्रदर्शनी खेलेंगे, वहीं चौदह सितम्बर को खिलाड़ियों के लिए छह घंटे का विशेष प्रशिक्षण सत्र देंगे। अण्डमान–निकोबार शतरंज संघ ने इसे द्वीपसमूह के उभरते खिलाड़ियों के लिए दुर्लभ अवसर बताया है। सीमित सीटों के चलते इच्छुक खिलाड़ियों से शीघ्र पंजीकरण करने की अपील की गई है।

<><><><><><><>

पंख एन.जी.ओ ने डॉ. दिवान सिंह गुरुद्वारा, के सहयोग से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विनम्र योगदान स्वरूप राहत कोष के लिए सहायता राशि दी गई। खालसा पब्लिक स्कूल ने भी उदारतापूर्वक सहयोग किया। इस अवसर पर डॉ. दिवान सिंह गुरुद्वारा कमेटी के उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र सिंह चानी तथा पंख एनजीओ की संस्थापक अध्यक्ष सुश्री कोमल आनंद भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के द्वारा यह संदेश दिया कि एकजुट होकर ही समाज कठिन परिस्थितियों में ज़रूरतमंदों तक राहत पहुँचा सकता है। समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और निरंतर सहयोग की अपील की।

<><><><><><><>